सूरदास का जीवन परिचय

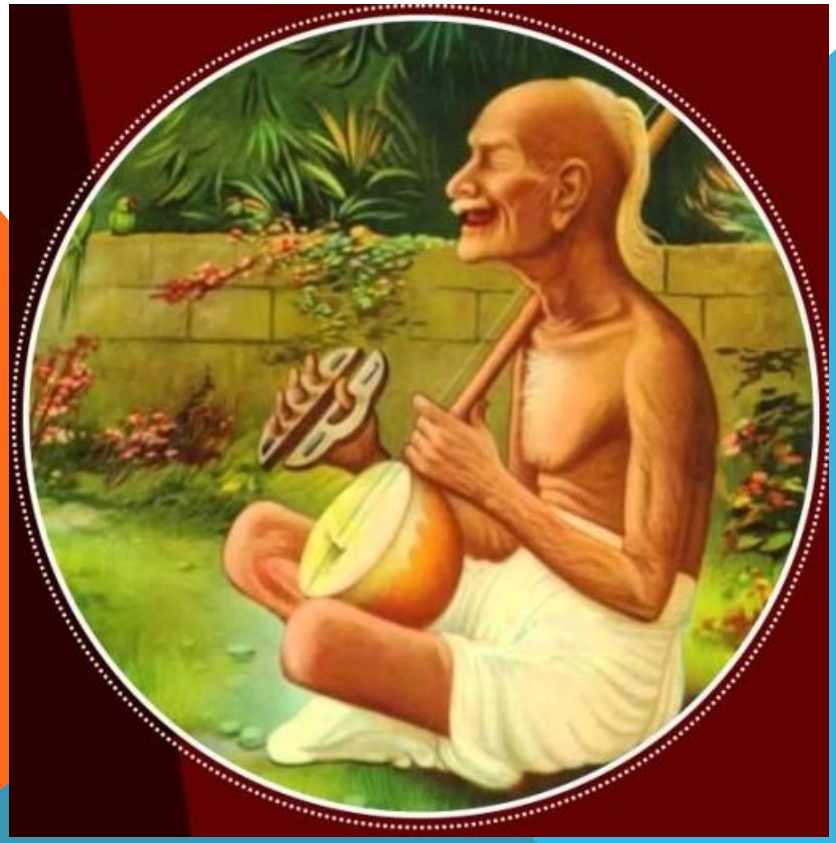

सूरदास (सन् 1478-1583 ई.)

जीवन-परिचय-

- **जन्म** 'रुनकता' नामक ग्राम (कुछ विद्वान् 'सीही' नामक स्थान को)
- **सन्** 1478 ई.
- **पिता** पं. रामदास (सारस्वत ब्राह्मण)
- **माता जी** जमुनादास
- **गुरु** श्री वल्लभाचार्य
- **आराध्य** श्री कृष्ण
- **मृत्यु** सन् 1583 ई. (गोवर्धन के पास 'पारसौली' नामक ग्राम)

प्रमुख रचनाएँ -

- सूरसागर
- सूरसारावली
- साहित्य -लहरी
- नाग लीला
- गोवर्धन लीला
- पद संग्रह
- सूर पच्चीसी

निरंतर .....

- सूरदास को हिंदी साहित्य का सूरज कहा जाता है।
- सूर से प्रभावित होकर ही तुलसीदास ने 'श्रीकृष्णगीतावली' की रचना की थी।
- अष्टछाप के कवियों में सूरदास जी सर्वश्रेष्ठ कवि माने गए हैं ।
- मथुरा के गऊघाट पर श्रीनाथ जी के मन्दिर में रहते थे।
- सूरदास जी जन्म से अन्धे थे या नहीं इस सम्बन्ध में भी अनेक मत है।

प्रमुख बिन्दु एक नजर में

- काव्य में माधुर्य गुण की प्रधानता है ।
- काव्य मुक्तक शैली आधारित है।
- काव्य में श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन ।
- वर्णनात्मक शैली का प्रयोग हुआ है।
- भक्त शिरोमणि सूरदास ने लगभग सवा-लाख पदों की रचना की थी।

धन्यवाद

डॉ. धर्मेन्द्र कुमार शर्मा